an>

Title: Need to provide funds for Saansad Adarsh Gram Yojana.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) ः मैं भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के संबंध में बताना चाहता हूं। भारत सरकार के द्वारा 11 अक्टूबर, 2014 को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की शुरूआत की गई थी। इसका उद्देश्य एक आदर्श भारतीय गांव के बारे में महात्मा गांधी की व्यापक कल्पना को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ध्यान में रखते हुए एक यथार्थ रूप देकर एवं इस योजना के तहत प्रत्येक सांसद को प्रत्येक वर्ष एक ग्राम पंचायत को गोद लेकर विकसित कर मॉडल ग्राम पंचायत बनाना है, लेकिन इस योजना के तहत ग्राम पंचायत को विकसित करने के लिए कोई ठोस डिजाइन एवं बजट का प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसी परिस्थिति में पांच साल में पांच ग्राम पंचायत का विकास कैसे होगा? मौजूदा योजना के प्रारूप में खामियों की वजह से पिछड़े इलाकों में सड़क से लेकर पानी और संचार जैसी सुविधाएं मुहैया कराना मुश्किल साबित हो रहा है। जब तक इसके प्रारूप में आधारभूत बदलाव नहीं किया जाता, दूसरा गांव गोद लेना संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री जी सांसदों के फंड से आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के लिए कहते हैं। एम.पी. लैंड में कितना फंड होता है कि ग्राम पंचायत को विकसित कर मॉडल ग्राम पंचायत बनाया जाए। शायद यही कारण है कि अब तक लोक सभा एवं राज्य सभा के अधिकतर सांसदों ने आदर्श ग्राम पंचायत का चयन नहीं किया है। सांसदों की चिंता योजना की डिजाइन और फंडिंग तक सीमित नहीं है। ज्यादातर सांसदों द्वारा अभी तक ग्राम पंचायत का चयन इसलिए नहीं किया है कि उन्हें डर है कि अगर वे अपने इलाके में किसी एक गांव को चुनते हैं तो दूसरे गांवों के लोग उनसे नाराज हो सकते हैं अगर भारत सरकार सही मायने में इस तरह से ग्राम पंचायत का विकास चाहती है तब सबसे पहले इसकी डिजाइन को ठीक करते हुए इस योजना के लिए अलग से इतने बजट का प्रावधान करने की आवश्यकता है कि प्रत्येक सांसद प्रत्येक वर्ष एक नहीं पांच ग्राम को गोद लेकर विकसित करे एवं इसकी पूरी जिम्मेदारी सांसदों की दी जानी चाहिए।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के डिजाइन में खामियों को दूर करते हुए अलग से इतने बजट की व्यवस्था की जाए कि प्रत्येक सांसद एक नहीं हर साल पांच ग्राम पंचायत को गोद लेकर विकसित कर मॉडल ग्राम पंचायत बनाये ताकि सही ढंग से गांधी जी के सपनों के अनुरूप एक आदर्श भारतीय ग्राम की कल्पना पूरी हो सके।

14.26 hours